



Mr. Akshat Agarwal



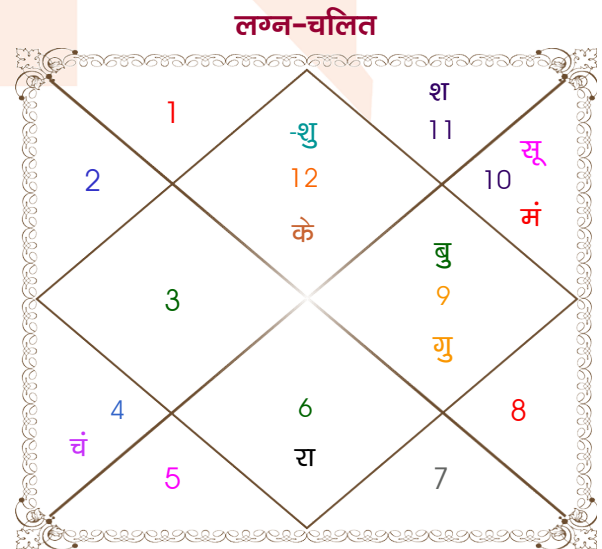
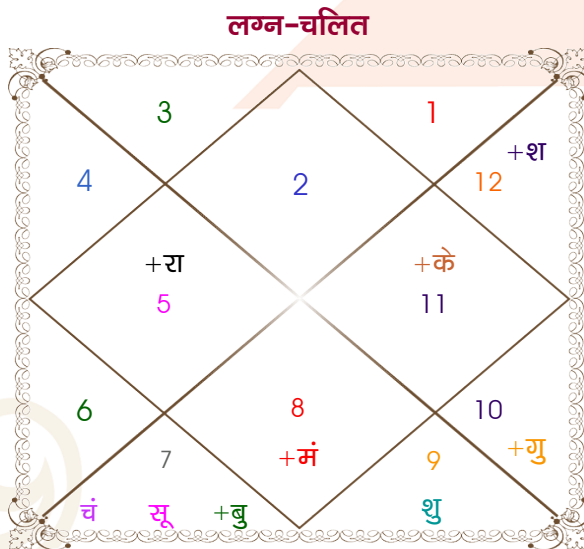
Ms. Sakshi Verma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120399202

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 31/10/1997 : _____ जन्म तिथि _____ 04/02/1996
 शुक्रवार : _____ दिन _____ रविवार _____
 घंटे 19:02:00 : _____ जन्म समय _____ 10:15:00 घंटे
 घंटे 31:36:26 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 08:09:40 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Bareilly : _____ स्थान _____ Meerut
 28:20:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 29:00:00 उत्तर
 79:24:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 77:42:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:12:24 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:19:12 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 06:23:25 : _____ सूर्योदय _____ 07:06:56
 17:28:28 : _____ सूर्यास्त _____ 17:59:30
 23:49:31 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:48:17

विंशोत्तरी राहु 5वर्ष 4मा 28दि शनि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शनि 1वर्ष 4मा 24दि शुक्र	
31/03/2019		12:30:24	वृष	लग्न	मीन	24:06:05	29/06/2021	
31/03/2038		14:20:19	तुला	सूर्य	मक	20:50:29	29/06/2041	
शनि	03/04/2022	15:59:28	तुला	चंद्र	कर्क	15:41:05	शुक्र	29/10/2024
बुध	11/12/2024	29:42:02	वृश्चि	मंगल	मक	27:15:45	सूर्य	29/10/2025
केतु	20/01/2026	25:19:59	तुला	बुध	धनु	26:37:36	चन्द्र	30/06/2027
शुक्र	21/03/2029	19:09:31	मक	गुरु	धनु	13:06:46	मंगल	29/08/2028
सूर्य	03/03/2030	01:15:56	धनु	शुक्र	मीन	00:21:40	राहु	29/08/2031
चन्द्र	03/10/2031	21:27:48	मीन व	शनि	कुंभ	28:37:41	गुरु	29/04/2034
मंगल	10/11/2032	24:55:05	सिंह व	राहु व	कन्या	25:31:00	शनि	29/06/2037
राहु	17/09/2035	24:55:05	कुंभ व	केतु व	मीन	25:31:00	बुध	29/04/2040
गुरु	31/03/2038	11:02:09	मक	हर्ष	मक	07:32:14	केतु	29/06/2041
		03:29:45	मक	नेप	मक	02:09:26		
		10:36:21	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:02:10		



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

डतण णीज ङतूंस का वर्ग मृग है तथा Ms. Sakshi Verma का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण णीज ङतूंस और Ms. Sakshi Verma का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण णीज ङतूंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुराभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण णीज ङतूंस कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. Sakshi Verma मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।**

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह

(राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms. Sakshi Verma कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. Sakshi Verma कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण गीज हंतूस तथा Ms. Sakshi Verma में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।